# टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

## एम. ए. हिंदी, (भाग–२)

### डिसेंबर –२०११ परीक्षा

**विषय : हिंदी साहित्य का इतिहास** (H-203)

**दिनांक: २२/१२/२०११** **कुलअंक : १००** **समय : दो २.०० से शाम.५.००**

**सूचनाएँ** : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

**प्रश्न १. अ**) आदिकालीन धार्मिक एवं सामाजिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए। **(२०)**

**अथवा**

**ब)** हिंदी साहित्य के इतिहास का कालविभाजन के आधारों को वर्णन कीजिए।

**प्रश्न २. अ)** भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की सगुणधारा की विशेषताएँ बताकर संत तुलसीदास की रचनाओं का परिचय दीजिए। **(२०)**

**अथवा**

**ब)** भक्तिकाल की सामाजिक धार्मिक तथा राजनीतिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।

**प्रश्न ३. अ)** रीतिकाल को 'शृंगारकाल' क्यों कहा जाता है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **(२०)**

**अथवा**

**ब)** रीतिकालीन साहित्य की शास्त्रीगत प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए।

**प्रश्न ४. अ)** आधुनिक हिंदी कविता के विकासक्रम को रेखांकित किजिए। **(२०)**

अथवा

ब) हिंदी साहित्य में आलोचना के उद्‌भव और विकास को स्पष्ट कीजिए।

**प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।** **(२०)**

१) प्रेमचंद युगीन उपन्यास की विशेषताएँ ।
२) छायावाद के उद्‌भव के कारण।
३) साठोत्तर युग के नाटक ।
४) नई कहानी तथा उसकी विशेषताएँ।

---